शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

वार्षिक पाठ्यक्रम (2025-26)

कक्षा: 7, विषय: हिंदी

क्रम सं.	(वसंत भाग 2) पाठ का नाम/रचयिता/ विधा	विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	अधिगम संप्राप्ति	सुझावात्मक गतिविधि/ क्रियाकलाप
1	**हम पंक्षी उन्मुक्त गगन के** शिवमंगल सिंह 'सुमन' (कविता)	**स्वतंत्रता -** यह कविता पक्षियों के माध्यम से मनुष्य की पराधीनता की पीड़ा को प्रस्तुत करती है।	• विशेषण और उसके भेद • द्वंद्व समास **कक्षा-7** कार्यपत्रक संख्या - 1,2,3,6,7,8 **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु** **कक्षा-6** विशेषण और उसके भेद, कार्यपत्रक संख्या - 9	• कविता विधा से परिचित हो सकेंगे • भावानुकूल सस्वर वाचन कर सकेंगे • प्राकृतिक परिवेश, पशु-पक्षियों के प्रति जिज्ञासा विकसित कर सकेंगे • चिड़िया के खान-पान, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे • विभिन्न पक्षियों के नाम और स्वरूपों को जान सकेंगे • पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे • पक्षियों के माध्यम से मनुष्य की पराधीनता	• विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं। • किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखक द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। • किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक, /सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं।	• पशु/पक्षियों को पिंजरे में रखने के औचित्य पर वाद-विवाद • स्वतंत्रता के महत्त्व पर अनुच्छेद लेखन • पशु/पक्षी/पर्यावरण पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश/पद्यांश का अभ्यास • विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर अनुच्छेद/

				की पीड़ा को समझने का प्रयत्न कर सकेंगे • कल्पनाशीलता विकसित कर कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे	• पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं/ परिचर्चा करते हैं। • अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं। • विविध कलाओ, जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, उन्हें समझने का प्रयास करते हैं। • विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दों/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं, जैसे- बरसात के दिनों में हरा भरा होना? विषय पर चर्चा। • विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों	निबंध/ चित्र वर्णन का अभ्यास
2	**हिमालय की बेटियाँ** नागार्जुन (निबंध)	**नदियों का महत्त्व** - यह निबंध उत्तर भारत की नदियों के उद्गम स्रोत, मैदानी क्षेत्रों तक की यात्रा और महत्त्व को दर्शाता है।	• भाषा को अधिक सुंदर और प्रभावी बनाने के लिए समानताएँ प्रस्तुत करते तुलनात्मक प्रयोग • निर्जीव वस्तुओं को मानव-संबंधी नाम देने का प्रयोग • विशेषण और विशेष्य • द्वंद्व समास	• 'निबंध' विधा से परिचित हो सकेंगे • भावानुकूल एवं सस्वर वाचन में सक्षम हो सकेंगे • हिमालय और नदियों के संबंध के बारे में जान सकेंगे • उद्गम से लेकर मैदान तथा समुद्र तक की यात्रा में नदियों के पल-पल बदलते स्वरूप को अपने शब्दों में लिख सकेंगे	• नदियों से जुड़े त्योहार/लोकगीत आदि पर चर्चा • 'नदियों का हमारे दैनिक जीवन में महत्त्व'- विद्यार्थियों के बीच संवाद • कालिदास के मेघदूत पर चर्चा • नदी/हिमालय/प्रकृति संरक्षण आदि विषयों पर अनुच्छेद

			• 'नदी' को उलटा लिखने से 'दीन' बनता है जिसका अर्थ होता है गरीब। ऐसे ही अन्य शब्दों की खोज तथा खोजे गए शब्दों के संज्ञा की पहचान। • समय के अनुरूप भाषा और शब्द का परिवर्तन जैसे - बेतवा नदी का अन्य नाम 'वेत्रवती' है • वाक्य में 'ही' का प्रयोग होने पर नकारात्मक अर्थ ध्वनित होना	• भारतीय संस्कृति में नदियों के प्रति व्यक्त होने वाले आदर भाव के बारे में संवेदनशील हो सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे	के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं। • सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं। • किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं। • पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। • विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं। • कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे- वर्णनात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि।	लेखन/पत्र लेखन/ चित्र वर्णन का अभ्यास
	फूले कदंब नागार्जुन (कविता)	**केवल पढ़ने के लिए**	कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं।			

3	**कठपुतली** भवानीप्रसाद मिश्र (कविता)	**स्वतंत्रता-** यह कविता कठपुतलियों के माध्यम से स्वतंत्रता की सहज इच्छा को दर्शाती है।	• दो शब्दों के जुड़ने से उनके मूल रूप में परिवर्तन जैसे - काठ और पुतली मिलकर कठपुतली बनते हैं। इसी प्रकार दो शब्दों को मिलाकर नए शब्द का निर्माण • भाषा में प्रचलित शब्द युग्मों में परिवर्तन करना जैसे आगे-पीछे का पीछे-आगे आदि **कक्षा-7** कार्यपत्रक संख्या - 14,15	• भावानुकूल सस्वर वाचन कर सकेंगे • गुलामी/ परतंत्रता की पीड़ा के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे • स्वतंत्रता/ आज़ादी के महत्त्व को अपने शब्दों में लिख सकेंगे • क्षेत्रीय और पारंपरिक खेलों, मनोरंजन के साधनों और गतिविधियों के बारे में जान सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे	• किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे- शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं। • विविध कलाओं, जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं। • भाषा की बारीकियों/व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसे- किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पदबंध का प्रयोग- आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल-रेल जैसे प्रयोग। • विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों	• पुराने कपड़े/अखबार/ बेकार वस्तुओं से गुड़िया बनाना • व्यावसायिक शिक्षण से जोड़ते हुए कठपुतली बनाना व लोक कलाओं का परिचय • पारंपरिक मनोरंजन के साधनों के संदर्भ में परिचर्चा • स्वतंत्रता दिवस पर अनुच्छेद/निबंध लेखन/चित्र वर्णन का अभ्यास
4	**मिठाईवाला** भगवतीप्रसाद वाजपेयी (कहानी)	**संवेदना -** इस कहानी में एक फेरीवाला अपने दुख को कम करने के लिए	• दो शब्दों के जुड़ने से उनके मूल रूप में परिवर्तन जैसे- **मिठाई** और **वाला** मिलकर	• कहानी विधा से परिचित हो सकेंगे • भावानुकूल सस्वर वाचन कर सकेंगे		• 'फेरीवाले अब शहरों में कम नज़र आते हैं या अधिक' - बच्चों के अनुभव पर चर्चा

		बच्चों को सस्ते दामों में मिठाई और खिलौने बेचता है।	**मिठाईवाला** बनता है। इसी प्रकार दो शब्दों को मिलाकर नए शब्द का निर्माण • 'ठो' जैसे आंचलिक शब्दों का प्रयोग • भाषा के पुराने प्रयोग जो अब प्रचलन में नहीं है जैसे - 'जान पड़ता है' - का प्रचलित रूप में प्रयोग **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु** **कक्षा-6** सर्वनाम और उसके भेद, कार्यपत्रक संख्या - 5	• फेरीवाले की दिनचर्या, उनकी समस्याएँ आदि को रेखांकित कर सकेंगे • फेरीवाले के दुख के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे	को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे- अपने गाँव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह-तरह के कार्य करने वालों की बातचीत। • हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं। • अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। • विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम-चिह्नों	• 'प्यार बाँटने से बढ़ता है' - इस विषय पर तर्क-वितर्क, • फेरीवालों पर अनुच्छेद लेखन/ निबंध लेखन/ चित्र वर्णन का अभ्यास
	फेरीवालों की आवाज़ें	**केवल पढ़ने के लिए**	कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की			

			विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं।		एवं अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे- काल, क्रिया विशेषण, शब्द-युग्म आदि का प्रयोग करते हैं। • विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज़ों के बारे में लिखित रूप से तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं। • भित्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं। •	
5	**पापा खो गए** (विजय तेंदुलकर) नाटक	**बाल-मनोविज्ञान** - यह मनोरंजक नाटक निर्जीव वस्तुओं और सजीव जीवों के चरित्र के माध्यम से बच्चों के अपहरण जैसी समस्याओं के प्रति जागरूक करता है।	• नाटक के बीच-बीच में कुछ निर्देश दिए जाते हैं जैसे- 'सड़क/रात का समय..." किसी दृश्य को दिखाने के लिए ऐसे ही 'निर्देशों' का प्रयोग • विराम चिह्नों का वाक्य में प्रयोग • संवाद लेखन: दो या दो से अधिक निर्जीव वस्तुओं के बीच कल्पना पर आधारित संवाद लेखन • पत्र लेखन (औपचारिक और अनौपचारिक) **कक्षा-7**	• 'नाटक' विधा से परिचित हो सकेंगे • भावानुकूल सस्वर वाचन कर सकेंगे • नाटक के विभिन्न तत्व यथा पात्र, संवाद, घटनाक्रम आदि से परिचित हो सकेंगे • बच्चों के अपहरण जैसी समस्याओं के प्रति जागरूक हो सकेंगे • संवाद के माध्यम से वाचन कौशल को समृद्ध कर सकेंगे • अपनी कल्पनाशक्ति का विस्तार कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका	• 'बच्चें अपनी सुरक्षा के लिए क्या-क्या उपाय कर सकते हैं' - विषय पर समूह चर्चा • अपनी किसी वस्तु के खोने की सूचना देते हुए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए

			कार्यपत्रक संख्या- 16,17,18,19,20,21	भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे		
6	**शाम-एक किसान** सर्वेश्वरदयाल सक्सेना (कविता)	**प्रकृति-** इस कविता में किसान के रूप में जाड़े की शाम के प्राकृतिक दृश्य का चित्रण किया गया है।	• संज्ञा और विशेषण शब्दों के साथ 'सी' का प्रयोग करके भाषा को अधिक सुंदर और प्रभावी बनाने के लिए समानताएँ प्रस्तुत करते तुलनात्मक प्रयोग • कविता में प्रयुक्त शब्दों का वाक्य प्रयोग **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु** **कक्षा-6** संज्ञा और उसके भेद, कार्यपत्रक संख्या - 5	• भावानुकूल सस्वर वाचन कर सकेंगे • प्रकृति के सौंदर्य के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे • किसान की जीवनशैली से परिचित हो सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे		• शहरी जीवन में शाम होने की प्रक्रिया पर समूह चर्चा • 'शाम' को केंद्र में रखकर अनुभव लेखन/चित्र वर्णन का अभ्यास • किसान की दिनचर्या के संदर्भ में जानकारी एकत्रित कर समूह चर्चा
7	**अपूर्व अनुभव** तेत्सुको कुरियानागी	**संवेदना -** यह संस्मरण एक दिव्यांग बच्चे	• संख्यावाची शब्द जैसे- द्विशाखा,	• 'संस्मरण' विधा से परिचित हो सकेंगे		• मित्रता से जुड़े अनुभव को साझा करवाना

	(संस्मरण) (जापानी)	के पेड़ पर चढ़ने के अपूर्व अनुभव को प्रस्तुत करता है।	त्रिकोण आदि की जानकारी • आना प्रत्यय से शब्द निर्माण • क्रिया; अकर्मक और सकर्मक • अनुच्छेद लेखन **कक्षा-7** कार्यपत्रक संख्या-31, 33, 35, 37, 39	• भावानुकूल एवं सस्वर वाचन में सक्षम हो सकेंगे • दिव्यांगजनों के जीवन में आने वाली समस्याओं के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे • दिव्यांग मित्रों के साथ बिना किसी भेदभाव के समान रूप से व्यवहार कर सकेंगे • अन्य देशों और भाषाओं के साहित्य से परिचित हो सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे		• विद्यालय और घर के मित्रों के बारे में जानकारी एकत्र करते हुए एक सुंदर स्क्रैप-बुक का निर्माण, • दिव्यांगजनों के प्रति हमारा नज़रिया' - विषय पर अनुच्छेद/संवाद लेखन/चित्र वर्णन का अभ्यास • दिव्यांगजनों के लिए विद्यालय तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर क्या-क्या इंतज़ाम किए जाने चाहिए - विषय पर समूह चर्चा
8	**रहीम के दोहे** रहीम (दोहे)	**भाषा और संस्कृति** - प्रस्तुत दोहे	पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु-	• दोहा विधा से परिचित होंग,		• सह-अस्तित्व के मूल्यों पर आधारित

		जीवन जीने की कला को समझाते हैं।	• ब्रजभाषा या आँचलिक शब्दों के प्रचलित हिंदी रूप **कक्षा-7** कार्यपत्रक संख्या-30, 32	• भावानुकूल सस्वर वाचन कर सकेंगे • प्रत्येक दोहे में सन्निहित भावार्थ को अपने शब्दों में लिख सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे		पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास, • आपसी सद्भाव एवं भाईचारे की प्रवृत्ति से संबंधित विषय पर पत्र या अनुच्छेद लेखन, • रहीम के दोहों का स्क्रेप बुक में संकलन

आंतरिक मूल्यांकन-

नोट:-

- **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 06 सितंबर, 2025 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है, शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।**
- **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल महाभारत" कक्षा-7 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से है। अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।**

पुनरावृत्ति

मध्यावधि परीक्षा

क्रम सं.	(वसंत भाग 2) पाठ का नाम / रचयिता/ विधा	विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	अधिगम संप्राप्ति	सुझावात्मक गतिविधि/ क्रियाकलाप
9	**एक तिनका** अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (कविता)	**संवेदना** - यह कविता सीख देती है कि सबका अस्तित्व होता है, कोई वस्तु छोटी व हीन नहीं है।	• समान ध्वनि वाली क्रियाओं का रिक्त स्थान में प्रयोग, जैसे - ढब से, धम से,	• भावानुकूल सस्वर वाचन कर सकेंगे • सह-अस्तित्व की भावना से परिचित हो सकेंगे • 'मैं' के घमंड की पहचान करते हुए 'हम' की भावना को समझ सकेंगे • आपसी सद्भाव एवं भाईचारा की प्रवृत्ति विकसित कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से	• विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं। • किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखक द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। • किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक,	• प्रेम और सद्भाव का संदेश देने वाली कविता/दोहों का वाचन एवं संकलन

				अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे	/सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं। • पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं/ परिचर्चा करते हैं। • अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं। • विविध कलाओ, जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, उन्हें समझने का प्रयास करते हैं। • विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दों/घटनाओं के प्रति	
10	**खानपान की बदलती तसवीर** प्रयाग शुक्ल (निबंध)	**देश और संस्कृति** - यह निबंध खानपान एवं रहन-सहन की बदलती संस्कृति की ओर ध्यान आकृष्ट करता है।	• दो शब्दों के जुड़ने से उनके मूल रूप में परिवर्तन जैसे- **खान** और **पान** मिलकर **खानपान** बनते हैं । इसी प्रकार दो शब्दों को मिलाकर नए शब्द का निर्माण • शब्द सुनने या पढ़ने से उनसे जुड़े भाव, पहचान या विशेषता की याद आ जाना जैसे, इडली - दक्षिण, त्योहार - छुट्टी, ऐसे ही अन्य प्रयोग • अनुच्छेद लेखन	• 'निबंध' विधा से परिचित हो सकेंगे • भावानुकूल एवं सस्वर वाचन में सक्षम हो सकेंगे • खानपान एवं रहन-सहन में हो रहे नित नए परिवर्तनों को रेखांकित कर सकेंगे • खानपान की उपयोगिता और हमारे जीवन में उसके महत्त्व का विश्लेषण कर सकेंगे • वैश्विक होती खानपान की संस्कृति के बारे में जान सकेंगे • पाठांतर्गतप्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे	• 'भारतीय संस्कृति की विशेषता - विविधता में एकता' विषय पर चर्चा • 'फास्टफूड के दुष्परिणामों' पर अनुच्छेद/निबंध लेखन/ चित्र वर्णन का अभ्यास • 'स्वस्थ भोजन स्वस्थ जीवन' विषय पर अनुच्छेद लेखन • विज्ञापनों के माध्यम से खानपान में आ रहे बदलावों पर समूह चर्चा

				• पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे	अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं, जैसे- बरसात के दिनों में हरा भरा होना? विषय पर चर्चा। • विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं। • सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं। • किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं। • पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।	
11	**नीलकंठ** महादेवी वर्मा (रेखाचित्र)	**संवेदना -** यह नीलकंठ और राधा नामक मोर और मोरनी का रेखाचित्र है, जिसमें दोनों के जीवन के बहुआयामी रंगों को दर्शाया गया है।	• एक शब्द से अन्य शब्दों का निर्माण जैसे- 'रूप' शब्द से कुरूप, स्वरुप, बहुरूप आदि शब्द • पाठ में दी गई संधि का अभ्यास • क्रिया विशेषण और उसके भेद • पत्र लेखन **कक्षा-7** कार्यपत्रक संख्या- 41	• 'रेखाचित्र' विधा से परिचित हो सकेंगे • सस्वर वाचन में सक्षम हो सकेंगे • प्राकृतिक परिवेश, पशु-पक्षियों के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न कर सकेंगे • पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे • मनुष्य और पक्षियों के बीच के अंतरसंबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे	• नीलकंठ की नृत्य-भंगिमा का शब्द चित्र प्रस्तुत कीजिए • महादेवी वर्मा के अन्य संस्मरण पढ़ने हेतु दिए जा सकते हैं • मोहल्ले में घूम रहे आवारा पशुओं के उचित रख-रखाव की व्यवस्था हेतु नगर निगम के अधिकारी को पत्र • चयनित व्यक्ति/पशु/पक्षी की खास बातों को ध्यान में रखते हुए एक रेखाचित्र बनाइए	

12	**भोर और बरखा** मीरा बाई (कविता)	**भाषा और संस्कृति -** कृष्ण के मनमोहक बाल स्वरूप तथा सावन में मीरा बाई द्वारा कृष्ण की प्रतीक्षा का वर्णन किया गया है।	• ब्रजभाषा या आँचलिक भाषा के शब्दों के प्रचलित हिंदी रूप • वर्णों की आवृत्ति वाले वाक्य • 'गौओं का पालन करने वाले' के लिए एक शब्द • एक पंक्ति में एक शब्द का प्रयोग एक साथ दो बार होने पर पुनरुक्ति कहा जाता है। जैसे -'नन्हीं-नन्हीं बूँदन मेहा बरसे।' इसी प्रकार के अन्य उदाहरणों की खोज	• भावानुकूल सस्वर वाचन कर सकेंगे • भक्तिकाल की स्वर्णिम काव्यधारा से परिचित हो सकेंगे • कृष्ण के बाल स्वरूप तथा मीराबाई के ईश्वरीय प्रेम को रेखांकित कर सकेंगे • पदों का भावार्थ अपने शब्दों में लिख सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे	• विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं। • कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे- वर्णनात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि। • किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे- शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं। • विविध कलाओं, जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला	• कृष्ण के विभिन्न स्वरूपों जैसे बाल और ईश्वरीय स्वरुप/महाभारत में उनकी भूमिका पर चर्चा • कृष्ण के गिरधर (गिरिधर) कहलाए जाने की कथा पर चर्चा • मीरा बाई के जीवन पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश/पद्यांश का अभ्यास
13	**वीर कुँवर सिंह** विभागीय (जीवनी)	**देश-प्रेम-** स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी वीर कुँवर सिंह के जीवन का वर्णन किया गया है।	• एकवचन से बहुवचन बनाने पर जिन शब्दों के अंत में दीर्घ ईकार होता है वह 'इकार' में परिवर्तित हो जाता है। जैसे:-	• 'जीवनी' विधा से परिचित हो सकेंगे • सस्वर वाचन में सक्षम हो सकेंगे		• पाठ में वर्णित विभिन्न शहरों को मानचित्र पर अंकित करवाया जा सकता है

		वीर कुँवर सिंह ने 1857 की क्रांति में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हुए अनेक सामाजिक कार्य किए थे।	सेनानी - सेनानियों। इसी प्रकार वचन बदलने के अभ्यास। **कक्षा-7** कार्यपत्रक संख्या- 42	• वीर कुँवर सिंह के जीवन-वृत्त का वर्णन कर सकेंगे • स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे • देश-प्रेम की भावना विकसित कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे	आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं। • भाषा की बारीकियों/ व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसे- किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पदबंध का प्रयोग-आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल-रेल जैसे प्रयोग। • विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे- अपने गाँव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह-तरह के कार्य करने वालों की बातचीत। • हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री	• स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी एकत्रित कर समूह चर्चा • देश-प्रेम पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश/ पद्यांश का अभ्यास
14	**संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिज़ाज हो गया: धनराज** विनीता पाण्डेय (साक्षात्कार)	**जीवन-संघर्ष -** प्रस्तुत साक्षात्कार के माध्यम से हॉकी के सुप्रसिद्ध खिलाड़ी धनराज के जीवन से जुड़े संघर्ष, रोचक	• शब्दों में अलग-अलग प्रत्ययों के कारण उत्पन्न बारीक अंतर • एक ही शब्द के दो या दो से अधिक रूपों को खोजकर लिखना	• 'साक्षात्कार' विधा से परिचित हो सकेंगे • सस्वर वाचन में सक्षम हो सकेंगे • धनराज पिल्लै के संघर्ष को रेखांकित कर सकेंगे • जीवन के संघर्षों के विरुद्ध आत्मविश्वास		• विभिन्न खिलाड़ियों के साक्षात्कार पढ़ने के लिए दिए जा सकते हैं • हॉकी का इतिहास, खेल के नियम और

		प्रसंग और उपलब्धियाँ से परिचय	• खेलों से संबंधित शब्दावली	और हार न मानने के गुणों को आत्मसात कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे	(समाचार-पत्र/पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं। • अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। • विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम-चिह्नों एवं अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे- काल, क्रिया विशेषण, शब्द-युग्म आदि का प्रयोग करते हैं। • विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/ विषयों, जैसे-	भारत की उपलब्धियों को केंद्र में रखकर एक परियोजना कार्य करवाया जा सकता है
	हमारी ख्वाहिश रामप्रसाद 'बिस्मिल'	**केवल पढ़ने के लिए**	कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रूचि का विस्तार करते हैं।			
15	**आश्रम का अनुमानित व्यय** मोहनदास करमचंद गांधी (लेखा-जोखा)	**लेखा-जोखा -** दक्षिण अफ़्रीका से लौटकर गांधी जी ने अहमदाबाद में जिस आश्रम की	• 'इत' और 'इक' प्रत्यय से शब्द निर्माण • दो शब्दों के जुड़ने से मिलकर बनने वाला शब्द जहाँ	• सस्वर वाचन में सक्षम हो सकेंगे • 'श्रम के महत्त्व' को आत्मसात कर सकेंगे		• विद्यार्थी, विद्यालय में होने वाले कार्यक्रम / दैनिक जीवन में घर के व्यय के संबंध में लेखा-

		स्थापना की थी, इस पाठ में उसी आश्रम के व्यय के विवरण का अनुमान दिया गया है।	दूसरा शब्द प्रधान हो, तत्पुरुष समास कहलाता है। ऐसे ही अन्य शब्दों का निर्माण	• श्रम के संदर्भ में गाँधी जी के विचारों को रेखांकित कर सकेंगे, • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे	जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज़ों के बारे में लिखित रूप से तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं। • भित्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।	जोखा प्रस्तुत कर सकते हैं • गांधी जी के जीवन और विचारों पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश/ पद्यांश, अनुच्छेद लेखन/पत्र लेखन का अभ्यास	
	शब्दकोश					शब्दकोश के प्रयोग को सिखाएँ। • क्रम • व्याकरणिक जानकारी (शब्द-संक्षेप का अर्थ) • संदर्भगत अर्थ	

आंतरिक मूल्यांकन-

नोट:-

- **समस्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी, 2026 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **वार्षिक परीक्षा में समस्त पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।**

- दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है, शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र के लिए है।
- ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल महाभारत" कक्षा-7 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से है। अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।

समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति

वार्षिक परीक्षा